



Assam State Regd No.
21 and also in _____ of the
West Bengal I R 15ct 1955 duly
stamped 15 _____
duty under the Indian Stamp
Act 1898 registered in 1961
Schedule 1A no. 28
Process No.
Paid in C.H. 1/90

Fee Paid

A 55/-	50
H 15/-	15
2/-	2
N 1/50	1/50
<hr/>	
74/-	74/-

Registrar U/S 7(2)
Alipore, 24 Parkman

6900, दो सौ रुपया

काप्रस्त अवधि प्रियं प्रमाण एवं दण्डना.

50 फेट

श्री अमित शुभ नाल जैशी निधि अमी गान्धी नान गाल जैशी काति दिख
लगा छाउरी आजिन 23 बडी नवीन राम रोड, आना दुधार, गुला 28
पालना, बगलांगता 28.

दिक्षिण

श्री अमी प्रियं चाहती श्री द्वारका चक्रवर्ती काति दिख

लगा द्वारकाली, आजिन 47 द्वारकाली घोष लाल, आना चाहत श्वर,
बगलांगता 89, आज आजिन द्वारकाली घोष लाल, आना चाहत,
28 नवाली,

Pratima Sen
Proprietor

150 Rs.



प्रतिमान कालीन अधिकारी

काम्य-अद्युति विधिपि ओ विधेय उपचाराद् शुल्काद् भाग्यम् । ७। तिन बण्ठा
अस्ति छप्तां जन्मि उद्यम चारणीपि राज्यविधि ओ इन्द्रियो वाही कर्तव्यवाही
इवं इत्युक्तं अधिकारि विधिपि आपि बगवाना प्राप्तिः वायवानः—
तेजा २४ लक्षणा, व्यावहारिका इमाम् प्राप्त अल्पावीन तेजः एव एव २०,
ज्ञेया उपचाराद्, २३० एव तेजि, उद्युक्तं भालिं विश्वासु शिष्टाचाराद्
अवश्यकं लक्ष्य २४ लक्षणा ज्ञेया वण्डिवेद् वायवान दिविकारि २१
एव अतिथियान ओ उद्यवीन २०, २१, २२ ओ २३ एव अतिथियानाद्युक्ति २२२४
शुल्क विधिपि अधिकारि वाही ४.४८ लक्षणा वायव विधिवा वाय
अधिकारि विधिवा उपचाराद् विधिवा उपचाराद् विधिवा उपचाराद् विधिवा—
विधिवा, अधिकारि विधिवा उपचाराद्, अधिकारि विधिवा उपचाराद् विधिवा,
अधिकारि विधिवा उपचाराद् ओ अधिकारि विधिवा एव अधिकारि विधिवा उपचाराद्
विधिवा—अधिकारि वायव, विधिवा उपचाराद् विधिवा विधिवा उपचाराद् विधिवा उपचाराद्

S.D.P. MIRMAN
Proprietor
Pratimaan

100 Rs.



मुख्य अधिकारी के द्वारा जारी किया गया एक नियमित व्यवस्था

मैंने शहरी आवासाल लोक विहि वापियां बोली बगिल पर्याप्त श्री
शिल्प लिंगांच एवं शाह गेहूँ की वालिंगों लोकों के लिए १९८०
मालिक ३२७९ नं. लोकों के अल्पलिंगों लोकों की प्राप्ति दालिए
द्वारा उक्त जपनाल लोकों के उपरान्त जपनाल लोकों की विवेच उक्त
वल्लों के अल्पलिंगों के मालिक दृष्टिलिंगों नियुक्त थए। उक्त उक्त
जपनाल लोकों के उपरान्त जपनाल लोकों की विवेच उक्त जपनाल लोकों
के अल्पलिंगों के विवेच वापियां बोली बगिल श्री शिल्प
शिल्प लिंगांच एवं शाह गेहूँ की वालिंगों वालिंगों अवलोकित किया गया
१९८० मालिक ३०२२ नं. लोकों के उपरान्त उक्त वालिंगों वालिंगों
उक्त जपनाल लोकों की विवेच उक्त वालिंगों उक्त
अल्पलिंगों के वालिंगों वालिंगों उक्त वालिंगों वालिंगों
श्री शिल्प लोकों की वालिंगों वालिंगों वालिंगों वालिंगों

S. D. P. MIRKALI
Proprietor
Practitioner



6 RS

ବ୍ୟାପକ ହାତରେ

ମୂଲ୍ୟ ରାଶିରେ ଧାରଣ କାଳ ପ୍ରାଚୀନ ୧୯୨୫ ମାତ୍ରରେ କରିବାରୁ ଜ୍ଞାନିର୍ଦ୍ଦିତ
ଧାରଣ ଧାରଣ ୧୯୨୨ ମାତ୍ରରେ କରିବାରୁ ଅମ୍ବାର ବିଶ୍ୱାସ କରୁଥିଲେବୁ
ତାହାର ନିକଟାଳେ ୫// କାନ୍ତି ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଅଙ୍ଗୁତି ବିଅ୍ୟ ୨୪୭୮
ମାତ୍ରରେ କାନ୍ତିର ଅବଧାରି ଛତା =, ଦୋଷ ରାତ୍ରି କରିବାରୁ ବାରୀରୁ
ଦମ୍ଭମ ଆବଶ୍ୟକ ବେଳିଯେ Book No I volume no 80, Pages 162-166
Being No 5700 for the Year 1964 କାଳ ଗ୍ରହିତ୍ବରେ ଦାନ ପ୍ରାଚୀନ
ଦିଲିଲିର ହାତା ଅମ୍ବାର ବିଶ୍ୱାସ କରୁଥାଯିଲେବୁ, ଅମ୍ବାର ବିଶ୍ୱାସ
କରୁଥାଯିଲେବୁ, ଅମ୍ବାର ବିଶ୍ୱାସ କରୁଥାଯିଲେବୁ ଦିଲିଲି
କିମ୍ବା ଅତ୍ର ହାତ କାନ୍ତି ଜ୍ଞାନ ନିକଟାଳେ ଅଙ୍ଗୁତି ହେତୁ ନିକଟ
କିମ୍ବା ଅତ୍ର ହାତ କାନ୍ତି ଜ୍ଞାନ ନିକଟାଳେ ଅଙ୍ଗୁତି ହେତୁ ନିକଟ
କିମ୍ବା ଅତ୍ର ହାତ କାନ୍ତି ଜ୍ଞାନ ନିକଟାଳେ ଅଙ୍ଗୁତି ହେତୁ ନିକଟ
କିମ୍ବା ଅତ୍ର ହାତ କାନ୍ତି ଜ୍ଞାନ ନିକଟାଳେ ଅଙ୍ଗୁତି ହେତୁ ନିକଟ

S.D.P. NIRMAN
Pratima Sen
Proprietor

काशी विद्यालय

श्री शूद्रिति लिखार बहु नामोर्ध्वी अतिथी वन्नाली करु नामोर्ध्वी
 अल्ल देशोऽस्मि भास्म भास । १३२२ अष्टम दिनोऽस्मि कर्मित अज्ञान
 अ जन्मिति द्वयनामः इत्या भास्म अवभासते उचित द्वया नामः
 अत्यन्त आवगण्यात् शानीय भास्म । ८॥ वणा कर्म नामोर्ध्वी
 नामोर्ध्वी देशोऽस्मि एव भास्म अ द्वया नाम उपर्युक्ता
 उद्या वणीर्धा-दम्भ आण्डेकस्मी लिखित्वा Book No I volume No
 58, Pages 290 to 295 Being No 3967 for the year 1966 अल्ल
 देशोर्ध्वी द्वया नामा लिखित्वा अभ्य द्वयाला दाल्लिप्रदाव भास्म
 भास्माय निष्ठ श्री ईश अर्थ उक्त श्री लक्ष्मी लिखार नामोर्ध्वी
 अ निष्ठे इत्या भास्म भास्म भास्म उपर्युक्त उचित द्वया भास्म
 उपर्युक्त भास्म दाव, दिक्षा, इत्याकृति रात्रिगति द्वया भास्म
 अ उपर्युक्त भास्म भास्म ।

अक्षरात् भास्मासः लग्न अर्थात् अस्मावन इत्युपाभिभावाय भास्मासः
 अल्लेऽस्मि । ८॥ अस्मि तिनि वणा कर्म भास्म लिखित भास्माय भास्माय
 योज्ञा राशिले एव लेपनी कृति उद्या भास्म उपर्युक्ति इत्युक्त
 इत्या उद्याव उक्तेच भूल्य देशोऽस्मि ८१३० ओट अवाय २५-३
 अतः लक्ष्मीका देश दिति-श्रीलग्न भास्म भेदात् प्रदानाति
 उक्त भूल्य भवति इत्या त मूल्यान निष्ठे देश भेदात् विष्टे
 इत्युक्त-अस्मि वास्मि लेशीला वानिति-८ भेदाय अविद्यालयानिलि
 यथात् लक्ष्मी-प्रदानात् अविद्या एव उक्तेच त मूल्यानिति ८५-६
 लोक्तुत्त-शानीय लक्ष्मी । ९॥ तिनि वणा ओट द्वयोऽस्मि

ବ୍ୟାପକ ବିଜ୍ଞାନ

ବ୍ୟାପକ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଏବଂ ବିଜ୍ଞାନ ବାଚନମ ଓ ଶ୍ରୀତ ଅଭିଭୂତ ହେଲୁ
ଭୋବନାଳ ଉଚ୍ଚାରିତକ ଗର୍ଭକର୍ମ ନିର୍ମାଣ ଓ ଦୃଶ୍ୟତ ହେଲାମ
ଓ ଉଥାତ୍ ବ୍ୟାପକ ମୂଲ୍ୟ ହାତିଥିବ ଦିନାମ,

ବ୍ୟସିନି ବ୍ୟାପକ- ବ୍ୟସି ହେଲୁ- ଶ୍ରୀତ- ଅଭିଭୂତ ଆମାଠ
ଅବ୍ୟୁକ୍ତ- ଅଭ୍ୟାସ ଓ ଆମାଠ ଧ୍ୟାନମାଟ- ନିର୍ମିଳୁ ହେଲେୟ ମାନ୍ୟବିଗନ ଧରଣୀଟ
ଓ ପଦିତିନିମିତ୍ରାଳୟୀତ୍- ବ୍ୟାପକ କୁଳେ ବ୍ୟାପକ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ପାଇଁ
ବନ୍ଦି: ଉଚ୍ଚାରିତ ବା ଲାଙ୍ଘ ଉଚ୍ଚାରିତ ନିର୍ମାଣ, ମାନ, ବିଜ୍ଞାନହାତ୍ତାଙ୍ଗ,
ଅବସରମ୍ବ- ଅଭ୍ୟାସ ଶାଖାମାନ ରତ୍ନାଳ୍ ବାଚନମ ଛ୍ରୀ, ବ୍ୟସିନି
ଓ ଭୋବନାଳ ଉଚ୍ଚାରିତକ ଗର୍ଭକର୍ମ ନାହିଁରା ଏବଂ ଶର୍ମ ଶ୍ରୀ
ବ୍ୟସିନ ମୂଲ୍ୟ ବାରାତ୍ରି ଆହୁନ ବ୍ୟାପକ- ବ୍ୟସି ବା ଆମାଠ ଅଭାବି
ଗର୍ଭମାର୍ତ୍ତ୍ର ବ୍ୟସି ବ୍ୟସି ଅବଶ୍ୟ ନାହିଁ ନାତିର ଅବଶ୍ୟ ବ୍ୟସିନିମିତ୍
ନା ବା କାରିବିହି ନା ବାରାତ୍ରିତ ଉଚ୍ଚ ଅକହିରେ ପ୍ରୟାୟ ଓ
ନାମକ୍ରମ ହେଲେବେଳେ।

ଶ୍ରୀତ- ଅଭିଭୂତ- ବ୍ୟସି ଏ ହିନ୍ଦୁ ଅଷ୍ଟ, ଆବଶ୍ୟ,
ଅତ୍ସମ, ନାଭି, ହର, ହରିହର, କେବିଗରାମ ହିନ୍ଦୁ ବ୍ୟସି
ଦେଶକୁଟି ବ୍ୟସି ବ୍ୟସି ହେଲୁ ରୁକ୍ଷିତ ଓହାପ ପାଇଁ
ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ବ୍ୟସି ବ୍ୟସି ବ୍ୟସି ହେଲୁ- ବ୍ୟସିନ ବାରାତ୍ରି

ଶ୍ରୀତ- ଅଭିଭୂତ ବ୍ୟସି ଅବଶ୍ୟ ନାମକ୍ରମ ବାରାତ୍ରିକିରି ଶିଖିଛୁତିରା
ବ୍ୟସି ବ୍ୟସିନ କ୍ରୋଣବଦ୍ଧ ଅଭିଭୂତ ବ୍ୟସି ବା ବ୍ୟସି Requisition
ବା Acquisition କୁ ଅଭିଭୂତ ବ୍ୟସି ବା ବ୍ୟସି ବାରାତ୍ରିକିରି ଅଭିଭୂତ
ବ୍ୟସି କୁଳେ ବାରାତ୍ରିକ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ବିଜ୍ଞାନ ବାରାତ୍ରି ଏ ବିଜ୍ଞାନ

କ୍ଷେତ୍ରପାତ୍ରଗୁଡ଼ିକ

ବର୍ଷବିଦୀ ମାଝର ବୀଜଥାବତ୍ ମହିତ ଲୋକ ଶୁଭିବ ବସନ୍ତଚାଲି
ଅଟ୍ଟି ଖାଦ୍ୟକାଣ କାହିଁ ନାହିଁ, କୋଷ କେତେ ଲୋକ ଖର୍ବୀବନ୍ଦେଶ୍ୱରିଦ୍ୱାରା
ନାହିଁ ଏ ବୋର୍ଡ ବୀଜଥାବତ୍ କିଳାପଦାଟି ନାହିଁ, କେବୀଳ ରାଜ୍ୟପାତ୍ରି
କ୍ଷେତ୍ରଗୁଡ଼ିକ ବିନୋଦୀ ଆମାସ ନିଧି ଖାଦ୍ୟ ଓ ଶ୍ରୋଵର୍ଗନ୍ଦେ ଖାଦ୍ୟ
ବୈଜ୍ୟ ବୈଜ୍ୟକାଣ କିଳାଟ ଅଥ୍ୟ ଶୁଭିବ ବସନ୍ତଚାଲି ଏହାରେ
କ୍ଷେତ୍ର ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ରୋଗ ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ଉତ୍ସବରୀତି ଆମାସ
ବା କୋଷ ଖର୍ବୀବନ୍ଦେଶ୍ୱରି ଶୁଭିବ ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ଓ ମହାଶୂନ୍ୟ ବୈଜ୍ୟକାଣ
ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ରୋଗ ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ବୀଜଥାବତ୍ ହେବୁ କିମିତ
କେଉଁନ କେମିତ କେମିବ ଅ କୋଷବୈଜ୍ୟକାଣ ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ
ବାନ୍ଧାତ୍ମିକ ଦାରୀ ଅଭ୍ୟାସିକାଣ କୁଳାତ୍ମିକା ଜନ୍ମକାମ ହୃଦୟ ଗାନ୍ଧିତ
ବାନ୍ଧାତ୍ମିକ ଅଭ୍ୟାସିକାଣ ଓ ଘରିବରୀରୀଣା,

କ୍ଷେତ୍ର ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ବୀଜଥାବତ୍ ମାତ୍ର ବୋର୍ଦ ବୋଲିବ
ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ଏ ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ଅବ୍ୟବ ନିର୍ଭାବରୀତି ବୈଜ୍ୟକାଣ ଦିଲ୍ଲିମା—
ବେଳିବ ପ୍ରାଚୀର ଅ ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ଖର୍ବୀବନ୍ଦେଶ୍ୱରି କିମିତ
ବିବରଣୀ—ଅ ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ନାମକ ଚାରୀ—Advantage ଏହାରେ ଏ
ବୋର୍ଦ ବୈଜ୍ୟକାଣ ଖର୍ବୀବନ୍ଦେଶ୍ୱରି ଏହାରେ ଏହାରେ
ବାନ୍ଧାତ୍ମିକ ଅଭ୍ୟାସିକାଣ ଓ ଘରିବରୀଣା,

ପରିମଳୀ ରାଜ୍ୟ ପରିବହନ ବୈଜ୍ୟକାଣ ଏହାରେ
ଏ ଦିନକୁଠିନ ବୋର୍ଦ ଅ ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ବୀଜଥାବତ୍ କୁଳାତ୍ମିକା କିମିତ
୮୨୧୦, ଆହେ ଆମାସ ଅତକୁଠିନ ପରିବହନ ବୈଜ୍ୟକାଣ କିମିତ
ଏହାରେ ନିଷ୍ଠିତା କାହିଁ ଅନ୍ଧାତ୍ମିକ ଏହାରେ ବୋର୍ଦ କେମିତ ତଥା

ବେଳାନ୍ତ ପରିମାଣକୁଣ୍ଡଳ

ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀମଦ୍ ବିଜୁ ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ପାଠ୍ୟକାର, ପ୍ରକାଶ ନାମ୍-୨
ପ୍ରକାଶ ନାମ୍-୨୩ ଆବଶ୍ୟକ ତଥା ୨୦୧୯/୨୦୨୦ ମସି

ଶ୍ରୀମଦ୍ ବିଜୁ ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ପାଠ୍ୟକାର

ଦେଶୀୟ ଲକ୍ଷ୍ମୀ, ଆବଶ୍ୟକ ବେଳାନ୍ତ ପରିମାଣକୁଣ୍ଡଳ
ବେଳାନ୍ତା, ବେଳାନ୍ତ ଦମଦମ ମିହିମାଲ୍‌ଗ୍ରାହି-୨୫୦ ଟଙ୍କା ପ୍ରକାଶ
ଦ୍ଵିତୀୟ ଓ ଶରୀର ଦମଦମ ୫୦ ଏଲାକ୍‌ବେଳାନ୍ତ ରେ: ପାଠ୍ୟ ତଥା ୨୦, ଟଙ୍କା
ଟଙ୍କା ୨୫୫, ଲୋକ ମାଟେମାଟେ ୧୫୦ ଟଙ୍କା ପ୍ରକାଶ, କ୍ଷେତ୍ରରେ ଅନିଯନ୍ତ୍ରିତ
ବର୍ତ୍ତମାନେ ୨୫ ଲକ୍ଷ୍ମୀ ଦେଶୀୟ ବେଳାନ୍ତ ବେଳାନ୍ତ କ୍ଷେତ୍ରରେ ୨୫୦ ଟଙ୍କା
ଅନିଯନ୍ତ୍ରିତ ଲେଖନ ପାଠ୍ୟ ରେଖାଂକନ ପାଠ୍ୟ ରେଖାଂକନ
କରିବାକୁ- ୧/୧୦ କାହିଁ ଓ ୧୪୫ ଟଙ୍କା ଲୋକିଙ୍କା ପାଠ୍ୟ ରେଖାଂକନ
୧୨୫୮ ମାତ୍ରରେ କରିବାକୁ- ୧୮୮୦ କାହିଁ କରିବାକୁ- ୧୧. କିମ୍ବା
ବେଳାନ୍ତ ଆଟେ ଦ୍ୱାରା କରିବାକୁ- ୨୨୨୦ ମାତ୍ରରେ କରିବାକୁ- ୨୨୨୦ ମାତ୍ରରେ
କାହାରେ କରିବାକୁ- ୨୧୮୦ ମାତ୍ରରେ କରିବାକୁ- ୨୧୮୦ ମାତ୍ରରେ

୧୭୪ ଟଙ୍କା ରେଖାଂକନ କରିବାକୁ- ୧୦୦୦ ଟଙ୍କା
୨୫ ମାତ୍ର, କାହା କେବେ ଟଙ୍କା କରିବାକୁ- ୨୨୮୦/୨, ୨୨୨୨
୨୨୦୮, ୨୨୯୬, ୨୨୯୬, ୨୨୯୮, ୨୨୯୦ ଟଙ୍କା କରିବାକୁ- ୨୦୮୮
ଅତିକାରୀ କାହା କରିବାକୁ- ୧୧. କାହା, ବିଜୁ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଉପରେ,
କାହା କାହିଁ କାହାରେ କାହାରେ କରିବାକୁ- ୨୨୩୦ ମାତ୍ର- ୨୦୦୦ ଟଙ୍କା,
କାହା- ୨୨୮୦/୨ ଟଙ୍କା କରିବାକୁ- ୨୦୦୦ ଟଙ୍କା, ୦୮ ମାତ୍ର
୨୨୧୨ ଟଙ୍କା କରିବାକୁ- ୦୮ ମାତ୍ର, ୦୮ ଟଙ୍କା
୨୨୧୬ ଟଙ୍କା କରିବାକୁ- ୦୮ ଟଙ୍କା, ୦୮ ଟଙ୍କା

1
Nirman

2206 न्यू. अर्जितन उत्तराखण्ड अवधि 02 रुपया

2200 न्यू. अर्जितन उत्तराखण्ड अवधि 03 रुपया

(टोटा) 26 रुपया ३० रुपया अवधि अवधि अवधि

240 न्यू. एस. ब्रह्मा लिपिभूषण लेटेलेस्ट ३०११ सं

दाम, रुपया २५ न्यू. अर्जितन उत्तराखण्ड अवधि 2205, 2203,

2207, 2208, 2209, 2209 न्यू. अर्जितन, लोकमिशन

२५ रुपया अवधि अवधि अवधि अवधि अवधि अवधि

उत्तराखण्ड अवधि अवधि अवधि अवधि अवधि अवधि

अवधि अवधि २२५२०५ अर्जितन उत्तराखण्ड अवधि २२५२०५

रुपया २२५२०५ न्यू. अर्जितन उत्तराखण्ड अवधि ४६ रुपया

2207 न्यू. अर्जितन उत्तराखण्ड अवधि ४६ रुपया;

2202 न्यू. अर्जितन उत्तराखण्ड अवधि ४६ रुपया;

2209 न्यू. अर्जितन उत्तराखण्ड अवधि ४६ रुपया;

2206 न्यू. अर्जितन उत्तराखण्ड अवधि २० रुपया;

(टोटा) २०० रुपया, अवधि अवधि अवधि

अवधि अवधि

234 रुपया अवधि

अवधि अवधि अवधि अवधि अवधि

अवधि २४५ न्यू. अवधि अवधि

अवधि अवधि अवधि अवधि

अवधि अवधि अवधि अवधि अवधि अवधि अवधि

১০০
প্রক্ষেপণ করা হয়েছে

তারিখ- ১০/১০/৭১। অন সোম বার্ষিক রফি ১০২-১১/পুরুষ
বাহুল মহার পুস্তক ও উচ্চাল কালী মৃত্যু-ভূমি
সঞ্চালিত ক্ষেত্র রাজশাহী প্রদীপ সঞ্চালিত পুস্তক ।

চোখঁ-

প্রেসার প্রক্ষেপণ করা হয়েছে মারা
(কালীগঠন) সংস্কৃত SBC/H.S. 258403 নং
(ক্ষেত্র পুস্তক ৬৯৮০) বার্ষিক
অন্তর্বর্ত প্রক্ষেপণ করা হয়ে
ছে। ২০.৯.৭১।

প্রক্ষেপণ করা হয়েছে

২০০৩

শ্রী প্রজ্ঞান প্রজ্ঞান
৬৪/৫৮ Belgachia Road
Cal - ৩৭

Ajit Somadder
12, Kavirabin Senko
Cal 28.

স্বাক্ষর

প্রক্ষেপণ করা হয়েছে

পুস্তক সংস্কৃত

সংস্কৃত প্রক্ষেপণ

S.D.P. NIRMAN
Pratimason
Proprietor